मीरा के पद

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरः–

1. **पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीडा हरने की विनती किस प्रकार की है?**

उत्तरः– पहले पद में मीरा ने श्री कृष्ण की दास्य भाव से विनती की है। वे श्रीकृष्ण से कहती है कि हे प्रभु आप इस संसार के लोगों के कष्टों को दूर कर दों इससे पहले भी आपने अपने भक्तों के कष्टों को दूर किया है, जैसे द्रोपदी के सम्मान की रक्षा के लिए आपने उसका धीर बढा दिया भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए अपने नरसिंह रूप धारण किया था, और ढूबते हुए हाथी को बचाने के लिए आप स्वयं आए थे, फिर मैं तो आपकी दासी हूँ और आप मेरे आराध्य है इसलिए आपकों मेरी भी रक्षा करनी चाहिए।

2. **दूसरे पद में मीरा बाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है? स्पष्ट कीजिए।**

उत्तरः– दूसरे पद में मीरा बाई श्याम की चाकरी इसलिए करना चाहती है क्योंकि इसके तीन प्रकार के फायदे दिखाई देते है।

क. चाकर बनकर जब वह बाग लगाएगी तो कृष्ण उसमें प्रतिदिन घूमने आऐगें ओर मीरा को उनके दर्शन मिल जाएँगें।

ख. वृन्दावन की गलियों में मीरा जब कृष्ण की लीलाओं का गुणगान करेगी, तो उसे अपना जीवन चलाने के लिए धन मिल जाया करेगा।

ग. श्रीकृष्ण की भक्ति करने से मीरा को पुण्य रूपी संपत्ती मिल जाया करेगी जो कभी भी नष्ट नहीं होती।

3. **मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप–सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?**

उत्तरः– मीराबाई श्रीकृष्ण के रूप– सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती है कि श्रीकृष्ण छैल–छबीले और ही मनमोहक है उनके सिर पर मोरपंख का मुकुट है गले में वेजन्ती माला है

वे पीला पीताम्बर पहने है श्रीकृष्ण प्रतिदिन गाय चराने के लिए जब बंसी बजाते हुए, वृदांवन की गलियों से निकलते है तो वहॉ के निवासी उनके रूप सौदर्य को देखते ही रह जाते है।

4. **मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।**

उत्तरः– संत रेदास की शिष्या मीरा की कुल सात–आठ कृतियॉ ही उपलब्ध हैं। मीरा की भक्ति दैन्य और माधुर्यभाव की है। इन पर योगियों संतों और वैष्णव भक्तों का सम्मिलित प्रभाव पडा है। मीरा के पदों की भाषा में राजस्थानी ब्रज ओर गुजराती का मिश्रण पाया जाता है। वहीं पंजाबी खडी बोली और पूर्वी के प्रयोग भी मिल जाते है।

5. **वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या–क्या काम करने को तैयार है?**

उत्तरः– मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए उनकी नौकर बनने को तैयार है, उनके लिए बाग लगाने को तेयार हे वृंदावन की गलियों में घूम–घूमकर कृष्ण की लीला गाने को तैयार है, कृष्ण को देखने के लिए वृंदावन में एक ऊॅचा सा महल बनाने को तैयार है, और कृष्ण को पसंद आने वाली लाल रंग की साडी पहनने को तैयार है तथा आधी रात के समय यमुना जी किनारे जाकर कृष्ण जी से मिलने को तैयार है।

भाषा अध्ययन

6. उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निमनलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए–

चीर	–	कपडा
धरयों	–	धारण करना
कुण्णर	–	हाथी
बिन्दरावन	–	वृदावंन
रहस्यूँ	–	रहूँगी
राखो	–	रखिए
बूढता	–	डूबता
लगास्यूँ	–	लगाऊँगी
घृणा	–	ज्यादा
सरसी	–	फायदा
हिवडा	–	ह्दय
कुसुम्बी	–	लाल रंग